एकात्म भारत संस्थान के
लिए सुचेंद्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

भाद्रपद, कृष्ण पक्ष सप्तमी,
शनिवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

21 सितंबर 2019, इंदौर
for e-paper visit www.ekatmabharat.com

कश्मीर में हाईकोर्ट से संपर्क न कर पाने का दावा गलत

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा
दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से प्राप्त रिपोर्ट जम्मू-कश्मीर में लोगों के उच्च न्यायालय से संपर्क करने में असमर्थ होने संबंधी दावे को गलत बताया गया है। बाल अधिकार कार्यकर्ता इनाक्षी गांगुली और शांता सिन्हा की ओर से उपस्थित अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने 16 सितंबर को कोर्ट में कहा था कि कश्मीर घाटी के लोग उच्च न्यायालय से संपर्क नहीं साध पा रहे हैं।

मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने जम्मू-कश्मीर के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से इस बारे में रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट में एडवोकेट हुजेफा अहमदी के दावे को गलत बताया गया है। जस्टिस एस.ए. बोबडे और जस्टिस एस.ए. नजीर ने एडवोकेट हुजेफा अहमदी से कहा कि, ''हमें उच्च न्यायालय (जम्मू कश्मीर) के मुख्य न्यायाधीश से रिपोर्ट मिली है जो उस दावे का समर्थन नहीं करती, जिसमें कहा गया था कि जम्मू-कश्मीर में लोग उच्च न्यायालय से संपर्क करने में असमर्थ हैं।''मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह कश्मीर में बच्चों को कथित तौर पर हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाने संबंधी याचिका पर सुनवाई करेगी क्योंकि याचिका में नाबालिगों से संबंधित ''महत्वपूर्ण मुद्दे'' उठाए गए हैं।

हाईटेक होगा अयोध्या शोध संस्थान ऑनलाइन देख सकेंगे रामलीलाएं

योगी सरकार ने 17 करोड़ रुपये स्वीकृत किए जबकि सपा सरकार ने इसे बदहाल कर दिया था
एकात्म भारत. लखनऊ

शीघ्र ही अयोध्या शोध संस्थान हाईटेक होगा। इसके लिए योगी सरकार ने 17 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। साथ ही 4.50 करोड़ रुपये आवंटित कर दिए हैं। इस धनराशि से अयोध्या शोध संस्थान की अनवरत होने वाली रामलीला समेत विश्व के 30 देशों की रामलीलाओं का मंचन लोग ऑनलाइन देख सकेंगे। पिछली सरकार की उपेक्षा के चलते यहां चलने वाली अनवरत रामलीला बंद हो गई थी। साथ ही अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत समेत यहां रखी विश्व भर की पांडुलिपियों व कलाकृतियों को भी देख सकेंगे।

अयोध्या शोध संस्थान दो साल पहले बदहाली से जूझ रहा था। यहां होने वाली अनवरत रामलीला से सपा सरकार ने हाथ खींच लिया था, जिससे बंद करना पड़ा था। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद ही अयोध्या शोध संस्थान में बंद पड़ी रामलीला का अनवरत मंचन शुरू हुआ। इसके बाद एंटीक सामानों को सजाने का काम तेज हुआ। अभी कुछ ही दिनों पूर्व अयोध्या शोध संस्थान में कोदंड राम की 7 फीट की प्रतिमा की स्थापना भी मुख्यमंत्री ने की थी। इसी दौरान ही उन्होंने अयोध्या शोध संस्थान को हाईटेक करने व इसके विस्तार की योजना बनाने का निर्देश दिया था। संस्थान में इंडोनेशिया, अमेरिका, त्रिनिडाड, श्रीलंका, थाईलैंड, मलेशिया, सूरीनाम, रूस, लाओस, फिजी आदि देशों की रामलीला सामग्रियों का संग्रह व हस्तशिल्प में देश के विभिन्न कोने से रामकथा का संकलन, टेरोकोटा के माध्यम से विभिन्न शैलियों में रामकथा अंकन तथा विभिन्न चित्र शैलियों में रामकथा का चित्रांकन आकर्षण का केंद्र है।

संस्थान के पुस्तकालय में प्रतिवर्ष लगभग 40 शोधार्थी शोधपरक सर्वेक्षण कार्य करते हैं। पुस्तकालय में अयोध्या के हेंस बेकर, अवध गजेटियर, विभिन्न प्रदेश के गजेटियर तथा तुलसी कृत लगभग 200 ग्रंथ शोधार्थियों हेतु उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त हिंदी साहित्य, इतिहास, पुराण, वेद, संहिता तथा विभिन्न भाषाओं में अलग-अलग 150 रामायण पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। एक साथ 70 पाठक प्रतिदिन पुस्तकालय में अध्ययन कर सकते हैं। पुस्तकालय में अथ सत्योपाख्यान, बाल्मीकि रामायण, तुलसी कृत रामायण, हनुमत संहिता, कवितावली, रामायण तुलसीकृत, अयोध्या महात्मय इत्यादि ऐतिहासिक पांडुलिपि संस्थान की पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

किसान संघ ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

इंदौर. भारतीय किसान संघ मालवा प्रान्त की जिले की बैठक में मालवा प्रांत अध्यक्ष कमल सिंह आंजना के मार्गदर्शन पर भारतीय किसान संघ जिला इंदौर के श्री कृष्णपाल सिंह निवासी पानोड (सांवेर) को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष रामप्रसाद सूर्या, मालवा प्रान्त कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पटेल, मालवा प्रांत महिला संयोजिका वैशाली मालवीय भी उपस्थित थे। आनंद सिंह जी ठाकुर को मालवा प्रांत में जैविक प्रमुख नियुक्त किया गया। जिला मंत्री राजेंद्र पाटीदार, सुनील राठौर, विक्रम सिंह आदि कार्यकारिणी सदस्यों ने कृष्ण पाल सिंह को शुभकामनाएं दीं। श्री सिंह ने कहा कि, मैं किसानों की हर समस्या का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा, अन्नदाता का सम्मान शासन प्रशासन एवं समाज में बना रहे उसके लिए हमेशा संघर्षरत रहूंगा। बैठक में तय किया कि वर्तमान की सोयाबीन फसल में हुआ भारी नुकसान का अति शीघ्र सर्वे हो, और मुहावजा राशि प्रदान की जाये, वरना किसान संघ बड़ा उग्र आंदोलन करेगा।

कार्यकर्ताओं ने 'चरैवेति' को अपना मंत्र बनाया

वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदेव उरांव ने कहा।
एकात्म भारत. अमृतसर

वनवासी कल्याण आश्रम, पंजाब ने अमृतसर महानगर में अपना पहला वार्षिकोत्सव मनाया। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में अ. भा. वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदेव उरांव, मुख्य अतिथि के रूप में प्रांत संघचालक बृजभूषण सिंह बेदी व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री सोम प्रकाश उपस्थित थे।

कार्यक्रम में जगदेव उरांव जी ने कहा कि बाला साहेब जी ने जशपुर नगर में मात्र एक छात्रावास के माध्यम से कार्य का बीजारोपण किया और कैसे कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से कल्याण आश्रम शून्य से आज अखिल भारतीय स्तर पर शिक्षा, आरोग्य, खेलकूद, ग्राम विकास, श्रद्धा जागरण आदि के 20,000 से अधिक विभिन्न प्रकार के प्रकल्प चला रहा है, और यह सब संभव हुआ है कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत के चलते। कार्यकर्ताओं ने 'चरैवेति चरैवेति' को अपना मंत्र बनाया, जिसका नतीजा यह है कि आश्रम आज विश्व में वनवासी समाज के लिए कार्य करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है। उन्होंने कहा कि वनवासी समाज के आगे बढ़े बिना देश का पूर्ण विकास नहीं हो सकता। इसलिए हमें वनवासी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आगे बढ़कर उनका सहयोग करना चाहिए। प्रांत अध्यक्ष पवन गर्ग ने बताया कि लुधियाना से कमल चेतली जी ने अपने पिता जी की स्मृति में कल्याण आश्रम को लुधियाना में 252 गज जमीन भेंट की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमृतसर ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन अमित शर्मा ने की।